RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
जुलाई
21
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

भारत का पर्यटन क्षेत्र / tourism sector in india

संदर्भ:

केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि सरकार देश की अर्थव्यवस्था में पर्यटन क्षेत्र के योगदान को वैश्विक स्तर के अनुरूप 2047 तक 10 प्रतिशत तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत का पर्यटन क्षेत्र: 2047 तक आर्थिक वृद्धि का प्रमुख इंजन-

- **आर्थिक परिप्रेक्ष्य**: भारत की वर्तमान अर्थव्यवस्था $4 ट्रिलियन है, जो 2047 तक $32 ट्रिलियन तक पहुँचने की उम्मीद है।
- **पर्यटन का योगदान**: अभी पर्यटन का योगदान GDP में लगभग **5–6%** है, जिसे **2047 तक 10%** तक पहुँचाने का लक्ष्य है – जो वैश्विक मानकों के अनुरूप है।
- **वैश्विक रैंकिंग**: भारत ने 2023 में विश्व पर्यटन प्राप्तियों में 1.8% का हिस्सा लिया और 14वाँ स्थान प्राप्त किया।
- **वृद्धि दर**: पर्यटन क्षेत्र की **CAGR (चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर) 24%** अनुमानित है, जो इसे भारत के सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक बनाता है।
- **आध्यात्मिक पर्यटन**: हर राज्य में विशिष्ट सांस्कृतिक और धार्मिक अनुभव – जिससे भारत आध्यात्मिक पर्यटन का वैश्विक केंद्र बन रहा है।
- **सतत विकास पर बल**: विकास के साथ-साथ **सतत पर्यटन** को भी प्राथमिकता दी जा रही है – जिससे पर्यावरण और सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके।

भारत में पर्यटन के विविध प्रकार:

भारत प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक विरासत, सांस्कृतिक विविधता और धार्मिक परंपराओं से समृद्ध है। यहां विभिन्न प्रकार के पर्यटन अनुभव उपलब्ध हैं, जो विश्वभर के पर्यटकों को आकर्षित करते हैं:

1. साहसिक पर्यटन:
- दुर्गम और रोमांचक स्थानों की खोज तथा साहसिक गतिविधियों में भागीदारी।
- प्रमुख स्थल: **लद्दाख, सिक्किम, हिमालय क्षेत्र**
- गतिविधियाँ: ट्रेकिंग, पर्वतारोहण, रिवर राफ्टिंग, पैराग्लाइडिंग

2. आध्यात्मिक पर्यटन:
- भारत की धार्मिक और भाषाई विविधता इसे आध्यात्मिक साधना का केंद्र बनाती है।
- तीर्थस्थल: **वाराणसी, अमृतसर, हरिद्वार, बोधगया, पुरी, रामेश्वरम**

3. समुद्र तटीय पर्यटन:
- भारत की विशाल समुद्री सीमा और द्वीप पर्यटन के लिए आकर्षण का केंद्र हैं।
- प्रमुख स्थल: **केरल, गोवा, अंडमान-निकोबार द्वीप, लक्षद्वीप**

4. सांस्कृतिक पर्यटन (Cultural Tourism): भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक उत्सव विदेशी पर्यटकों को विशेष रूप से आकर्षित करते हैं।
- **प्रसिद्ध मेले और उत्सव:** पुष्कर मेला (राजस्थान), ताज महोत्सव (उत्तर प्रदेश), सूरजकुंड मेला (हरियाणा)

5. वन्यजीव पर्यटन (Wildlife Tourism): भारत के जंगलों में कई दुर्लभ और संकटग्रस्त जीवों की प्रजातियाँ पाई जाती हैं। **प्रमुख स्थल:** काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, रणथंभौर, सुंदरबन, बांधवगढ़, कन्हा

6. चिकित्सा पर्यटन (Medical Tourism): कम लागत में उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाओं के लिए विदेशों से लाखों पर्यटक भारत आते हैं।
- **सेवाएँ:** सर्जरी, आयुर्वेदिक चिकित्सा, वैकल्पिक चिकित्सा

सरकारी पहलें:
- स्वदेश दर्शन योजना
- आध्यात्मिक पर्यटन का पुनरुत्थान
- पीआरएएसएचएडी (PRASHAD) योजना
- मेडिकल टूरिज्म और "हील इन इंडिया" पहल
- अतिथि देवो भव: अभियान
- ई-वीजा सुविधा का विस्तार
- सतत पर्यटन को बढ़ावा
- होमस्टे के लिए मुद्रा ऋण
- गंतव्य प्रबंधन हेतु प्रदर्शन-आधारित प्रोत्साहन
- कुछ पर्यटक समूहों के लिए वीज़ा शुल्क में छूट

मुख्य चुनौतियाँ:
- **अवसंरचना की कमी:** सड़कों, परिवहन और सुविधाओं की अनुपलब्धता।
- **पर्यावरणीय क्षरण:** पर्यटन से प्रदूषण और पारिस्थितिकी को नुकसान।
- **मानकीकरण की कमी:** सेवाओं में गुणवत्ता का अभाव।
- **मौसमी प्रभाव:** सीजन आधारित पर्यटक आवागमन।
- **प्रचार की कमी:** कम प्रसिद्ध स्थलों का कमजोर विपणन।
- **सांस्कृतिक प्रबंधन:** धरोहरों का संतुलित संरक्षण।

पैक्ट फॉर द फ्यूचर / Pact for the Future

संदर्भ:

संयुक्त राष्ट्र में 2025 की अनौपचारिक वार्ता के दौरान भारत ने "पैक्ट फॉर द फ्यूचर" के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई, और समावेशी व भविष्योन्मुख वैश्विक शासन प्रणाली के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका को रेखांकित किया।

Pact for the Future: प्रमुख तथ्य

परिचय

- **घोषणा**: *भविष्य के लिए संधि* 22 सितंबर 2024 को **संयुक्त राष्ट्र महासभा** द्वारा सर्वसम्मति से *Summit of the Future* में अपनाई गई।
- **उद्देश्य**: 21वीं सदी की वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को नया रूप देना और संयुक्त राष्ट्र को **अधिक प्रभावी, वैध व समावेशी** बनाना।

मुख्य उद्देश्य

- **SDGs की प्रगति तेज करना**
- **परमाणु एवं जैविक निरस्त्रीकरण को सशक्त बनाना**
- **वैश्विक शांति एवं सुरक्षा ढांचे को सुधारना**
- **डिजिटल गवर्नेंस व युवा समावेशन को बढ़ावा देना**

प्रमुख घटक

1. **सतत विकास लक्ष्य (SDGs):** पेरिस जलवायु समझौते और SDGs की दिशा में प्रतिबद्धता दोहराई गई।
2. **मानवाधिकार और लैंगिक समानता:** विशेष ध्यान: *महिलाओं के अधिकारों* और *संकटग्रस्त समूहों* की सुरक्षा पर।
3. **संघर्ष समाधान और शांति स्थापना:** संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों की समीक्षा और संघर्ष के मूल कारणों का समाधान।
4. **निरस्त्रीकरण**
    - परमाणु और जैविक हथियारों के खिलाफ वैश्विक प्रयासों को पुनर्जीवित करने का संकल्प।
5. **डिजिटल और भविष्य की पीढ़ियाँ: AI नियमन** और **भविष्य की पीढ़ियों की भलाई** के लिए राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय नीति समन्वय।

भारत की भूमिका और प्रतिबद्धताएँ

1. **2028 समीक्षा के लिए ठोस एजेंडा**
    - भारत ने कहा कि *UN@80* और *2027 SDG शिखर सम्मेलन* के अनुरूप **कार्य-उन्मुख समीक्षा** की जानी चाहिए।
2. **संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) सुधार**
    - भारत ने **समयबद्ध, पाठ-आधारित वार्ताओं** की मांग की और *यथास्थिति बनाए रखने* का विरोध किया।
3. **वैश्विक संस्थागत तालमेल**
    - G20, WTO, IMF और विश्व बैंक जैसे मंचों के साथ *वित्तीय न्याय* और *नीतिगत समन्वय* को जरूरी बताया।
4. **डिजिटल सहयोग और समावेशी विकास**
    - भारत ने **AI नैतिकता**, **डिजिटल समावेशन** और **विकासशील देशों की प्राथमिकताओं** को प्राथमिकता देने की बात कही।

निष्कर्ष

"भविष्य के लिए संधि" आधुनिक विश्व के जटिल मुद्दों — जैसे जलवायु परिवर्तन, असमानता, डिजिटल अंतर, और संघर्ष — से निपटने की एक वैश्विक रूपरेखा है। भारत की भूमिका इसमें न्यायसंगत सुधार, समावेशन और विकासशील देशों की आवाज को आगे बढ़ाने वाली रही है।

ग्लोबल वेटलैंड आउटलुक 2025 / Global Wetland Outlook 2025

संदर्भ:

हाल ही में ग्लोबल वेटलैंड आउटलुक 2025 रिपोर्ट रामसर कन्वेंशन के सचिवालय द्वारा जारी की गई। यह रिपोर्ट विश्वभर में आर्द्रभूमियों की स्थिति, उनके संरक्षण प्रयासों और भविष्य की प्राथमिकताओं पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करती है।

ग्लोबल वेटलैंड आउटलुक 2025: प्रमुख निष्कर्ष

प्रस्तावना

- **रिपोर्ट द्वारा प्रकाशित**: *Convention on Wetlands* की **Scientific and Technical Review Panel (STRP)**
- **उद्देश्य**: आर्द्रभूमियों (Wetlands) की स्थिति, प्रवृत्तियाँ, महत्व और नीतिगत प्रतिक्रियाओं का अद्यतन वैश्विक मूल्यांकन प्रस्तुत करना।

आवृत वेटलैंड प्रकार (11 प्रकार)

- **समुद्री और तटीय**: सीग्रास, केल्प फॉरेस्ट, कोरल रीफ्स, एस्टुरीन जल, साल्ट मार्श, मैंग्रोव, टाइडल फ्लैट्स
- **मीठे जल के स्रोत**: झीलें, नदियाँ और धाराएँ, इनलैंड मार्श/स्वैम्प्स, पीटलैंड्स (Mires)

प्रमुख निष्कर्ष

1. **तेजी से क्षरण:**
   - **1970 के बाद से 411 मिलियन हेक्टेयर वेटलैंड्स** का क्षय
   - वैश्विक आर्द्रभूमि क्षेत्र में **22% की गिरावट**
   - औसत वार्षिक गिरावट दर: **-0.52%** (वेटलैंड प्रकार के अनुसार -1.80% से -0.01% तक)
2. **क्षेत्रवार गिरावट:**
   - **लैटिन अमेरिका, कैरिबियन, अफ्रीका**: शहरीकरण, उद्योग और बुनियादी ढांचे का दबाव
   - **उत्तरी अमेरिका, ओशिनिया**: आक्रामक प्रजातियाँ
   - **यूरोप**: सूखा (Drought) मुख्य कारण
3. **आर्थिक मूल्य:**
   - वर्तमान में शेष 1,425 मिलियन हेक्टेयर वेटलैंड्स से प्रतिवर्ष **$7.98 ट्रिलियन से $39.01 ट्रिलियन** तक लाभ
   - यदि सभी वेटलैंड्स को 2050 तक प्रभावी रूप से संरक्षित किया जाए, तो **कुल शुद्ध वर्तमान मूल्य (NPV)** होगा **$205.25 ट्रिलियन से अधिक**
4. **संरक्षण बनाम पुनर्स्थापन:**
   - वेटलैंड्स को *संरक्षित करना* पुनर्स्थापन की तुलना में **कहीं अधिक सस्ता**
   - पुनर्स्थापन की लागत: **$1,000 से $70,000 प्रति हेक्टेयर प्रति वर्ष (Int$)**
5. **वित्तीय अंतर:**
   - जैव विविधता संरक्षण पर वैश्विक GDP का केवल **0.25%** खर्च होता है
   - वेटलैंड्स जैसे प्राकृतिक संसाधनों में भारी **अविनियोजित निवेश**

वेटलैंड (आर्द्रभूमि) क्या है? — एक संपूर्ण परिचय

वेटलैंड की परिभाषा

- वेटलैंड एक ऐसा पारिस्थितिक तंत्र (ecosystem) है जहाँ भूमि **पूरी तरह या आंशिक रूप से पानी से ढकी** रहती है – यह जल **मीठा, खारा या खारा-मीठा** हो सकता है।
- यह **स्थायी या मौसमी** रूप से जलमग्न हो सकते हैं और अपना अलग पारिस्थितिक तंत्र बनाते हैं।

वेटलैंड के प्रकार

1. **आंतरिक वेटलैंड:** झीलें, नदियाँ, दलदल, घासभूमियाँ, पीटलैंड्स
2. **तटीय वेटलैंड**: डेल्टा, टाइडल फ्लैट्स, मैंग्रोव, कोरल रीफ्स
3. **मानव निर्मित वेटलैंड**: जलाशय, सिंचाई टैंक, कृत्रिम झीलें, चेक डैम्स

भारत में वेटलैंड्स

- भारत में वेटलैंड्स की विविधता अत्यंत समृद्ध है:
  - हिमालय की ऊँचाई पर स्थित वेटलैंड्स
  - गंगा-ब्रह्मपुत्र जैसी नदियों के बाढ़ क्षेत्र
  - समुद्री किनारों पर लैगून, मैंग्रोव, कोरल रीफ्स
- भारत की लगभग **4.6% भूमि वेटलैंड क्षेत्र** में आती है।
- **91 वेटलैंड्स 'अंतरराष्ट्रीय महत्त्व की वेटलैंड्स की सूची (Ramsar Sites)'** में शामिल हैं।
- भारत का स्थान:
  - **दक्षिण एशिया में प्रथम**
  - **एशिया में तृतीय** (रैमसर साइटों की संख्या के आधार पर)

निष्कर्ष: वेटलैंड्स केवल जलस्रोत नहीं हैं, बल्कि प्रकृति के जीवनदायिनी केंद्र हैं। जैव विविधता से लेकर जलवायु नियंत्रण तक, उनका संरक्षण सतत विकास और पर्यावरणीय संतुलन के लिए आवश्यक और अनिवार्य है।

ग्रुप ऑफ फ्रेंड्स / Group of Friends

संदर्भ:

संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में "ग्रुप ऑफ फ्रेंड्स (GoF)" की उच्च स्तरीय बैठक के दौरान भारत ने संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षकों के खिलाफ अपराधों के लिए न्याय सुनिश्चित करने की अपनी मजबूत प्रतिबद्धता दोहराई और जवाबदेही को एक रणनीतिक आवश्यकता करार दिया।

Group of Friends (GoF) for Accountability of Crimes against Peacekeepers: भारत की पहल में वैश्विक सहयोग-

क्या है यह समूह ?

- **स्वरूप**: संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों का एक *गैर-औपचारिक मंच*, जो शांति रक्षकों (Peacekeepers) के विरुद्ध अपराधों के लिए *उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने* हेतु समर्पित है।
- **उद्देश्य**: वैश्विक शांति अभियानों की **साख, निष्पक्षता और सुरक्षा** को बनाए रखना।

स्थापना और सदस्यता:

- **प्रारंभ**: दिसंबर 2022 में, **भारत की UNSC अध्यक्षता** के दौरान शुरू किया गया।
- **सदस्य देश**: लगभग **40 UN सदस्य देश**, जिनमें **एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका** के समान सोच वाले देश शामिल हैं।
- **संयुक्त अध्यक्षता**: भारत और अन्य विचारधारा-संगत देश।

मुख्य उद्देश्य:

- शांति रक्षकों पर हमलों के **कानूनी और नीतिगत ढांचे** को मजबूत करना।
- **दंडहीनता को समाप्त करना** और अपराधियों को न्याय के दायरे में लाना।
- UN शांति अभियानों की **नैतिकता और कार्यकुशलता** बनाए रखना।

प्रमुख कार्य:

- देशों, संयुक्त राष्ट्र संस्थाओं और विशेषज्ञों के बीच **संवाद को बढ़ावा देना**।
- **जांच प्रणालियों और विधिक सुधारों** को समर्थन देना।
- **UNSC प्रस्ताव 2589 (2021)** के कार्यान्वयन की निगरानी करना (यह प्रस्ताव शांति रक्षकों पर हमलों के लिए जवाबदेही अनिवार्य करता है)।
- महासचिव से **प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने** की माँग करना।

महत्त्व:

- **उच्च जोखिम वाले मिशनों में शांति रक्षकों की सुरक्षा** के लिए अत्यंत आवश्यक।
- **बहुपक्षीयता में विश्वास** को पुन: स्थापित करता है।
- भारत के ऐतिहासिक योगदान को मान्यता – भारत ने अब तक **3 लाख से अधिक शांति रक्षक** भेजे हैं, जो किसी भी देश द्वारा सबसे अधिक है।
- **वैश्विक दक्षिण (Global South)** से आने वाले जवानों की **सुरक्षा और मनोबल** की रक्षा करता है।

संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना (UN Peacekeeping): वैश्विक शांति का स्तंभ-

UN Peacekeeping क्या है?

- यह संयुक्त राष्ट्र का एक प्रमुख तंत्र है, जिसका उद्देश्य है **वैश्विक शांति और सुरक्षा बनाए रखना**।
- इसमें तैनात सैनिकों और अधिकारियों को **"ब्लू हेलमेट्स"** कहा जाता है – क्योंकि ये **संयुक्त राष्ट्र के झंडे के हल्के नीले रंग** की टोपी पहनते हैं।
- **नीला रंग** शांति का प्रतीक है, जबकि लाल को युद्ध से जोड़ा जाता है – इसलिए 1947 में UN ने इसे अपनाया।

UN Peacekeeping के प्रमुख कार्य:

- **संघर्ष की रोकथाम (Conflict Prevention)**
- **शांति स्थापना (Peacemaking)**
- **शांति प्रवर्तन (Peace Enforcement)**
- **शांति निर्माण (Peacebuilding)**
- इन सभी प्रयासों के साथ मिलकर शांति स्थापना मिशन *स्थायी समाधान* को समर्थन देते हैं।

इतिहास:

1. **शुरुआत (1948):**
   - पहला मिशन: **United Nations Truce Supervision Organization (UNTSO)**
   - स्थान: *मध्य पूर्व*
   - उद्देश्य: युद्धविराम की निगरानी
   - प्रारंभिक कार्य: **निर्दोष पर्यवेक्षण** और **मध्यस्थता**
2. **शीत युद्ध काल (1947–1991):**
   - वैश्विक ध्रुवीकरण के कारण मिशन सीमित और निष्क्रिय रहे।
   - केवल सीमित और पारंपरिक संघर्षों में हस्तक्षेप।
3. **शीत युद्ध के बाद:**
   - शांति स्थापना का **विस्तार और विकास**
   - **नागरिक युद्धों, शासन समर्थन, मानवाधिकार संरक्षण**, और **मानवीय सहायता** पर केंद्रित बहुआयामी मिशन।

Apni Pathshala

सोकोट्रा द्वीप / Socotra Island

संदर्भ:

संयुक्त अरब अमीरात और विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की फील्ड टीमों ने यमन के सोकोत्रा द्वीप पर व्यापक स्वास्थ्य मूल्यांकन के पहले चरण को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।

सोकोट्रा द्वीप (Socotra Island): प्रमुख तथ्य

- **स्थान:** यह एक दूरस्थ यमनी द्वीपसमूह है, जो **अरब प्रायद्वीप से 380 किमी दक्षिण में** हिंद महासागर में स्थित है।

- **भौगोलिक स्थिति:** यह **उत्तर-पश्चिम हिंद महासागर** में **अदन की खाड़ी** के पास स्थित है, और लगभग **250 किमी** तक फैला है। यह **4 द्वीपों और 2 चट्टानी टापुओं** से मिलकर बना है, जिन्हें अक्सर अफ्रीका के हॉर्न का विस्तार माना जाता है।
- **मुख्य द्वीप:** सबसे बड़ा द्वीप लगभग **3,600 वर्ग किलोमीटर** में फैला है और इसमें करीब **60,000 निवासी** रहते हैं।
- **जैव विविधता:** सोकोट्रा अपनी **अद्वितीय जैव विविधता** के लिए प्रसिद्ध है — यहां की **एक-तिहाई वनस्पति प्रजातियाँ** केवल यहीं पाई जाती हैं और दुनिया के किसी और हिस्से में नहीं मिलतीं।
- **संघर्ष की स्थिति:** हालांकि यह पारिस्थितिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है, सोकोट्रा **यमन के गृहयुद्ध** के कारण कई चुनौतियों का सामना कर रहा है।
- **वैश्विक मान्यता:** सोकोट्रा को **2008 में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल** (UNESCO World Heritage Site) के रूप में मान्यता दी गई थी।

सिम्बेक्स / SIMBEX

संदर्भ:

भारतीय नौसेना इस माह के अंत में सिंगापुर में आयोजित होने वाले सिंगापुर-भारत समुद्री द्विपक्षीय अभ्यास (SIMBEX) के 32वें संस्करण में भाग लेने के लिए तैयार है।

SIMBEX (Singapore-India Maritime Bilateral Exercise): प्रमुख तथ्य

परिचय: SIMBEX भारत और सिंगापुर की नौसेनाओं के बीच सबसे लंबी और लगातार आयोजित होने वाली **द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास** में से एक है। यह **प्रत्येक वर्ष आयोजित** किया जाता है।

इतिहास: इस अभ्यास की शुरुआत **"Exercise Lion King"** के रूप में हुई थी और पिछले तीन दशकों में यह व्यापक रूप से विकसित हुआ है।

उद्देश्य में विस्तार: प्रारंभ में इसका मुख्य फोकस **पनडुब्बी रोधी युद्ध (ASW)** था।

अब इसमें **समुद्री सुरक्षा, वायु-रोधी (anti-air), सतह-रोधी (anti-surface)** युद्ध जैसे व्यापक आयाम शामिल हैं।

अभ्यास के दो चरण:

1. **Harbour Phase (तट आधारित चरण):** विशेषज्ञ आदान-प्रदान (SMEEs), क्रॉस-डेक यात्राएं, खेल प्रतियोगिताएं, प्री-सेलिंग समन्वय
2. **Sea Phase (समुद्र आधारित चरण):**
   - **उन्नत नौसैनिक अभ्यास**, जैसे: लाइव हथियार फायरिंग, पनडुब्बी रोधी युद्धाभ्यास, सतह व वायु-रोधी संचालन, सीमैनशिप गतिविधियाँ, सामरिक युक्तियाँ और युद्धाभ्यास

महत्व:

SIMBEX न केवल भारत-सिंगापुर के रक्षा संबंधों को मजबूत करता है, बल्कि **हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सामरिक सहयोग और समुद्री स्थायित्व** को भी बढ़ावा देता है।

ट्रेकोमा / Trachoma

संदर्भ:

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने सेनेगल को ट्रेकोमा मुक्त घोषित किया है, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

सेनेगल ट्रेकोमा मुक्त घोषित: प्रमुख तथ्य

उपलब्धि:

- सेनेगल को *विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)* ने ट्रेकोमा से मुक्त घोषित किया है।
- यह देश में *गिनी वर्म रोग (ड्राकुन्कुलियासिस)* के बाद दूसरी उपेक्षित उष्णकटिबंधीय बीमारी (NTD) है जिसे समाप्त किया गया है। (पहले 2004 में)
- सेनेगल अब *दुनिया का 25वां* और *अफ्रीका का 9वां* देश बन गया है जिसने ट्रेकोमा को सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में समाप्त किया।

अन्य देश जिन्होंने ट्रेकोमा को समाप्त किया:

- भारत
- नेपाल
- पाकिस्तान
- चीन

(कुल 24 देश पहले ही यह उपलब्धि प्राप्त कर चुके हैं)

ट्रेकोमा क्या है?

- यह आंख का एक अत्यधिक संक्रामक बैक्टीरियल संक्रमण है, जो *Chlamydia trachomatis* बैक्टीरिया से होता है।
- यह *रोकथाम योग्य अंधत्व* का एक प्रमुख कारण रहा है।
- ट्रेकोमा से हुआ अंधत्व सामान्यत: *स्थायी* होता है और इसे पलटना मुश्किल होता है।

वैश्विक स्थिति:

- ट्रेकोमा अब भी *अफ्रीका, एशिया, मध्य व दक्षिण अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया* और *मध्य पूर्व* के गरीब और ग्रामीण क्षेत्रों में *अत्यधिक प्रचलित* है (हाइपर-एंडेमिक)।

प्रचंड शक्ति / Prachand Shakti

संदर्भ:

युद्धक्षेत्र के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, भारतीय सेना की राम डिवीजन ने 'प्रचंड शक्ति' नामक एक उच्च प्रभावशाली प्रदर्शन का आयोजन किया।

एक्सरसाइज़ प्रचंड शक्ति: भारतीय सेना का तकनीकी शक्ति प्रदर्शन

- **स्थान व आयोजन:** यह सैन्य अभ्यास **भारतीय सेना द्वारा उत्तर प्रदेश के मेरठ स्थित खरगा कोर फील्ड ट्रेनिंग एरिया** में आयोजित किया गया। इसका आयोजन **'Year of Tech Absorption'** पहल के तहत किया गया था।
- **मुख्य उद्देश्य: स्ट्राइक कोर ऑपरेशंस में इन्फैंट्री यूनिट्स द्वारा Disruptive Technologies के प्रयोग** को प्रदर्शित करना।

  यह दिखाना कि कैसे ये तकनीकें **गति (agility), मारक क्षमता (lethality), और अस्तित्व (survivability)** को बढ़ा सकती हैं, विशेषकर गहराई में की जाने वाली आक्रामक सैन्य कार्रवाइयों में।
- **प्रमुख विशेषताएं: रियल-टाइम कॉम्बैट परिदृश्य** में तकनीकी नवाचारों का उपयोग।

  AI-सक्षम सिस्टम, मानवरहित हवाई वाहन (UAVs), Loitering Munitions, और **Autonomous Platforms** का एकीकृत प्रदर्शन।

  भारतीय सेना की **तकनीकी रूपांतरण प्रक्रिया** और युद्ध की बदलती प्रकृति को दर्शाने वाला अभ्यास।
- **रणनीतिक महत्व:**

  यह अभ्यास **नवाचार और स्वदेशी तकनीक के सैन्य एकीकरण** का एक प्रमुख उदाहरण था।

  युद्ध के आधुनिक स्वरूप में, यह दर्शाता है कि कैसे **गैर-पारंपरिक और उभरती तकनीकें युद्ध क्षमताओं को पुनर्परिभाषित** कर रही हैं।
- **समग्र पहल:** यह अभ्यास भारतीय सेना के **"Year of Tech Absorption"** अभियान का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य **नागरिक तकनीकी नवप्रवर्तनकर्ताओं द्वारा विकसित स्वदेशी समाधान** को सैन्य परिचालनों में शामिल करना है।

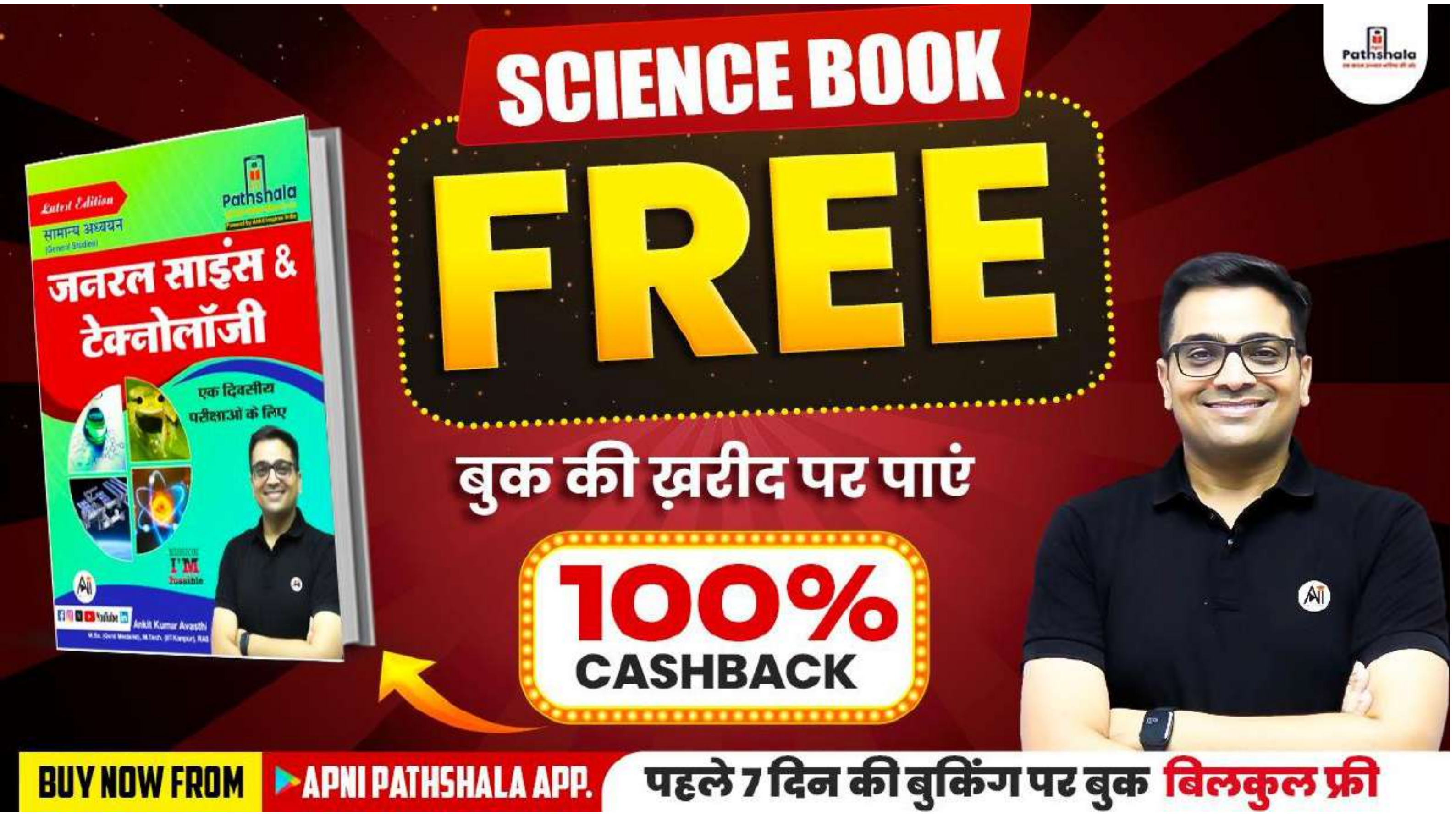

SCIENCE BOOK
FREE
बुक की ख़रीद पर पाएं
100%
CASHBACK
Pathshala
Latest Edition
सामान्य अध्ययन
(General Studies)
जनरल साइंस &
टेक्नोलॉजी
एक दिवसीय
परीक्षाओं के लिए
Ankit Kumar Avasthi
BUY NOW FROM
APNI PATHSHALA APP.
पहले 7 दिन की बुकिंग पर बुक बिलकुल फ्री

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
ECONOMY
POLITY
HISTORY
GEOGRPHY
1500X4
₹ 6000/-
₹4500/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

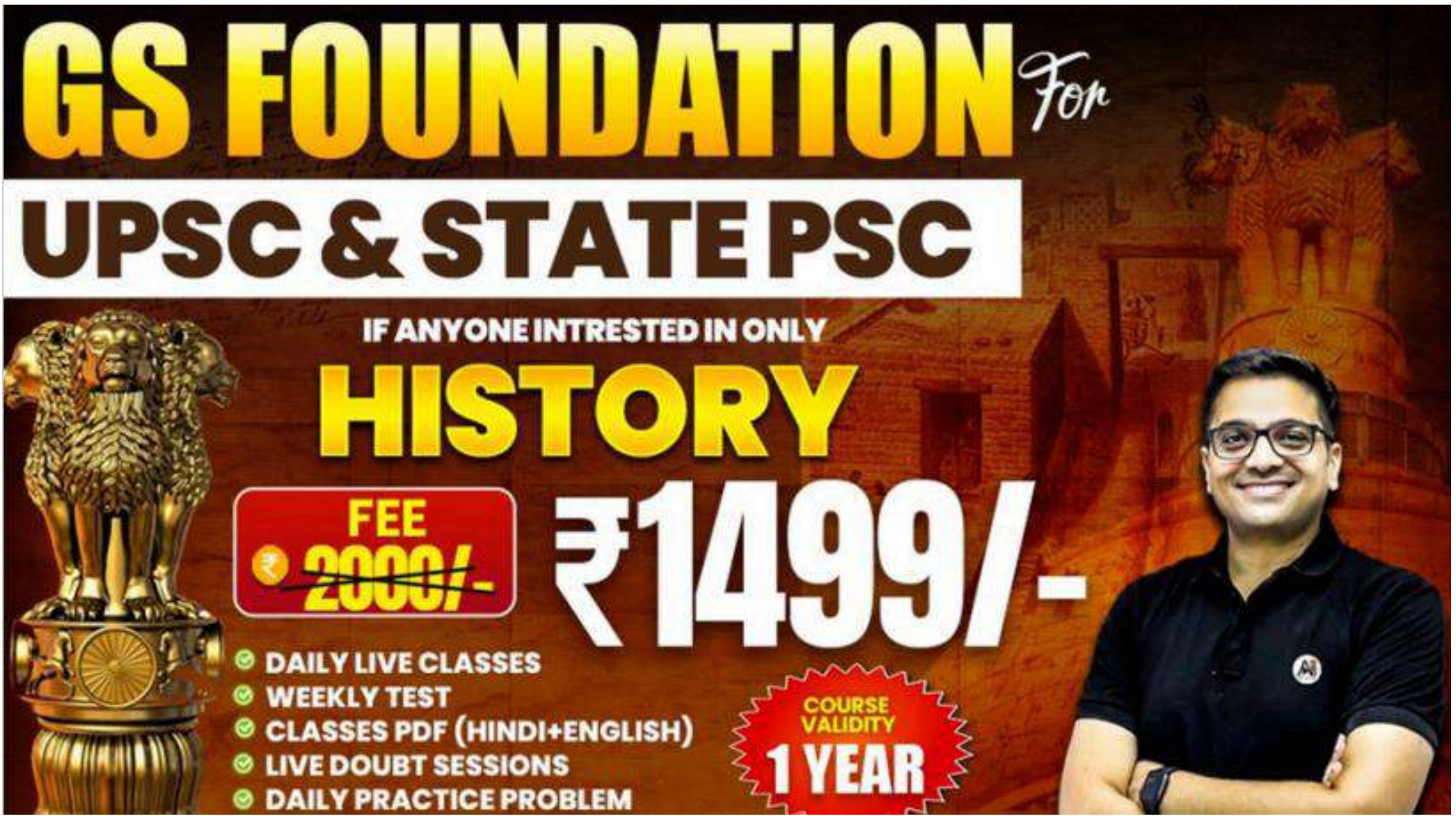

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
IF ANYONE INTRESTED IN ONLY
HISTORY
FEE
₹ 2000/-
₹1499/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
IF ANYONE INTRESTED IN ONLY
ECONOMY
FEE
₹ 2000/-
₹1499/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

जानिए
भारतीय संविधान
CONSTITUTION OF INDIA
मात्र
1499/-Year
Enroll Now !
1 year validity

GS FOUNDATION
Hand Written Notes
BEST OFFER 1999Rs
4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट
अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
Bilingual
भारतीय भूगोल
भौतिक तथा विश्व भूगोल
भारत तथा विश्व की अर्थव्यवस्था
आधुनिक भारत एवं विश्व का इतिहास
By Ankit Avasthi Sir

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण
RNA : Real News Analysis
MONTHLY CURRENT AFFAIRS
UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
MONTH
जनवरी, 2025
By Ankit Avasthi Sir
MONTHLY MAGAZINE
FREE!
अधिक जानकारी के लिए दिए गए
नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
Billingual
ANKIT AVASTHI SIR

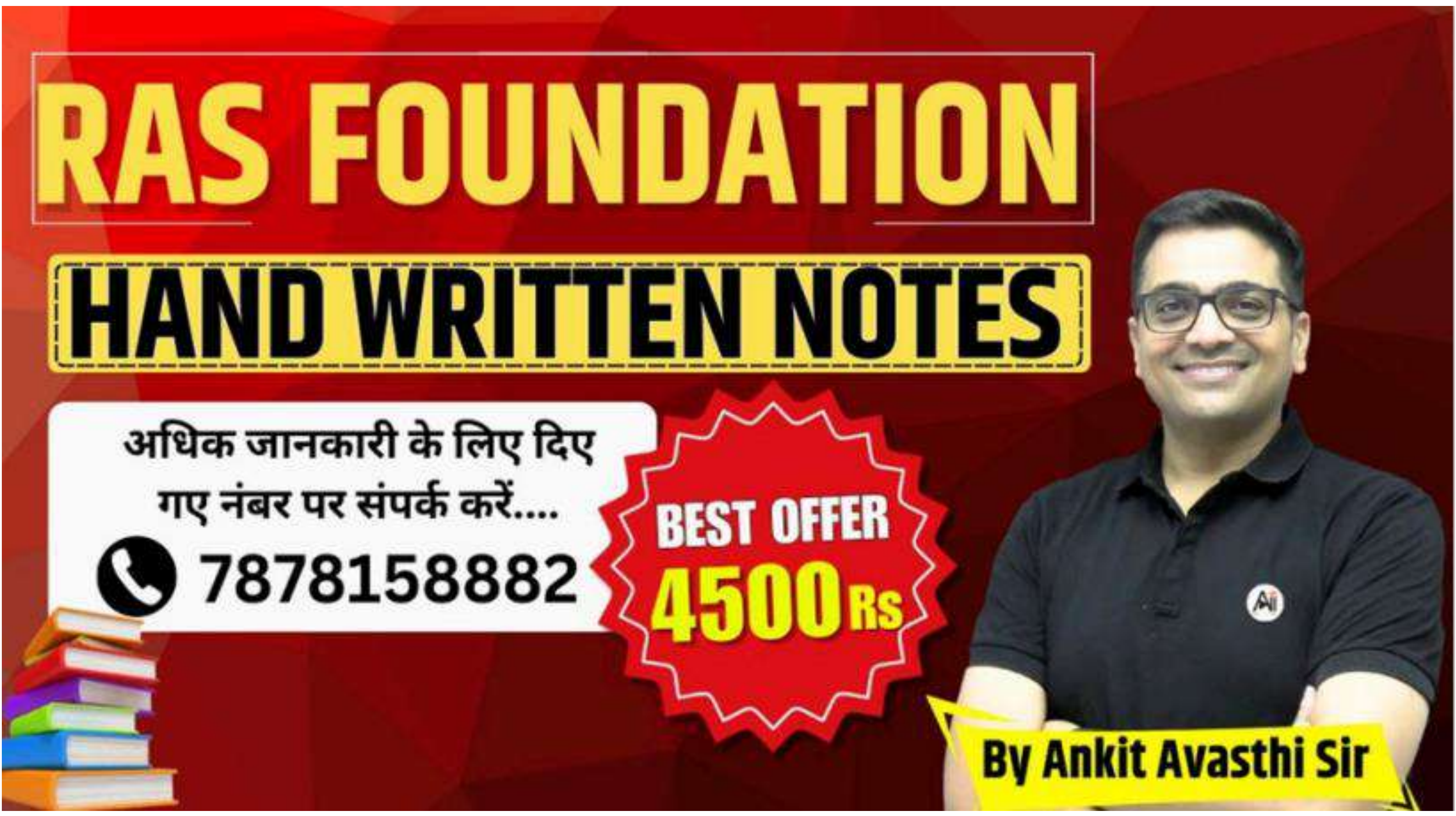

RAS FOUNDATION
HAND WRITTEN NOTES
अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
BEST OFFER
4500 Rs
By Ankit Avasthi Sir

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
COUPON CODE
ANKIT500
Course fee
₹1999/-
Course fee
₹1499/-
Special
OFFER ON
Father's
DAY
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुआत

FOUNDATION COURSE OF
MUTUAL FUND
COUPON CODE
ANKIT500
Invest in Knowledge
Grow Your Wealth
Course fee
₹1999/-
Course fee
₹1499/-
Special
OFFER ON
Father's
DAY
Course Validity
1 YEAR
एक निवेश समझदारी से..

नई संस्करण
Pathshala
भूगोल-I
भूगोल-II
इतिहास-I
इतिहास-II
अर्थव्यवस्था
भारतीय राजव्यवस्था
जी.ए फाउंडेशन
हैंडरिटन नोट्स
लॉन्च हो चुके हैं..
जनरल साइंस & टेक्नोलॉजी
अभी खरीदें -
1999/-
(नियम और शर्तें लागू)
और पाएं साइंस की बुक फ्री (7 दिन तक)

CALL
CENTRE
HOW MAY I HELP YOU
7878158882
AnkitInspiresIndia
Download "Apni Pathshsla" app now!
Follow us: